bihar board class 9th hindi notes Chapter 10 निबंध

लेखक – परिचय

-डॉ० जगदीश नारायण चौबे

निबंध

डॉ . जगदीश नारायण चौबे का जन्म 1936 ई . में पटना जिला के मोर गाँव में हुआ । प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई । इसके बाद उच्च शिक्षा में एम . ए . , डी . लिट् की डिग्री पटना विश्वविद्यालय से ली । तत्पश्चात् अध्यापन को वृत्ति बनाकर पटना विश्वविद्यालय में हिन्दी प्राध्यापक के रूप में सेवाएँ दी । इनकी पहली कृति के रूप में कहानी राष्ट्रवाणी पत्रिका में छपी । 1953 ई . में पहली कविता पुस्तक ' एकांकी ' सुदर्शन प्रकाशन आगरे से छपी । तदंतर कई पुस्तकें प्रकाशित हुई । बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् से ' उपन्यास की भाषा ' का प्रकाशन 1983 ई . हुई । इनकी कहानियों , निबंधों एवं कविताओं का प्रसारण दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों में हुआ । पटना विश्वविद्यालय का ' गीत ' रचने का श्रेय भी इन्हीं को है । 1962 ई . में बिहार राष्ट्रभाषा का उदीयमान साहित्यकार पुरस्कार प्राप्त हुआ । 2004 ई . में विहार राष्ट्रभाषा का साहित्यकार सम्मान प्राप्त हुआ । संप्रति : अवकाश प्राप्त ।

कहानी का सारांश

' निबंध ' जगदीश नारायण चौबे की प्रतिनिधि रचना है । जगदीश नारायण चौबे एक एक ख्यातिलब्ध गद्यकार हैं । इस रचना में उन्होंने निबंध लेखन की कला पर प्रकाश डाला है ।

प्रायः छात्र निबंध लेखन की कला से परिचित नहीं होते हैं । वे परीक्षा के दिनों में इस कारण परेशान होते रहते हैं । संसार की सभी वस्तुएँ निबंध का विषय हो सकती हैं । निबंध के लिए कोई निर्धारित या निश्चित पृष्ठ संख्या नहीं होती है ।

निबंध विचारों की सुनियोजित अभिव्यक्ति है , इसमें कसाव होना चाहिए । इसमें निरंतर प्रवाह का ध्यान रखना चाहिए । फैसिस बेकन तथा रामचंद्र शुक्ल के निबंध अच्छे निबंध के उदाहरण हैं । छात्र प्रायः निबंध को बड़ा बनाते हैं । इसमें उनकी अज्ञानता या स्पर्धा का भाव रहता है अच्छे निबंध के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । कल्पना कलाकारों के साथ – साथ वैज्ञानिक के लिए भी आवश्यक होती है ।

सही जानकारी के अभाव में महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र भी ' गाय ' पर लिखे निबंध में वही बात लिखते हैं जो चौथी – पाँचवीं का छात्र लिखता है । चौथी – पाँचवीं का छात्र गाय पर लिखे निबंध में परिचय , आकार – प्रकार , खान – पान , लाभ – हानि और उपसंहार लिखता है । जबकि महाविद्यालय के छात्र को गाय पर निबंध लिखते समय कृषि , कृषक , डेरी फार्म , चर्मोद्योग संस्कृति , राजनीति , गोशाला , गोरक्षिणी , काँजीघर , चारागाह , दुग्धोत्पादन , मूल्यवृद्धि जैसे मुद्दसों के विचार करना चाहिए ।

निबंध में कल्पना के साथ व्यक्तिगत अनुभव का महत्व होता है । कल्पना के विषय से परिचित होकर उस आधार पर अपना अनुभव गढ़ा जा सकता है । कल्पना , अनुभूति के द्वारा किसीसाथ – साथ विषय से संबंधित आंकड़ों , पुस्तकीय , पत्र – पत्रिकाओं की सूचनाओं का निबंध लेखन में बड़ा महत्त्व है ।

https://www.evidyarthi.in/